

आजाद सिपाही



वादा से ज्यादा
आपके लिए करेंगे,
125 नहीं अब

200
यूनिट बिजली मुफ्त देंगे

जे.बी.वी.एन.एल से
द्वाट्सएप नंबर पर जुड़ें
9431135503

**बिजली की बचत करें,
झारखण्ड को उन्नत करें**

मुख्य बिन्दु

⚡ आर्थिक रूप से कमज़ोर घटेलू
उपभोक्ताओं को इस योजना का लाभ
मिलेगा।

⚡ 200 यूनिट प्रति माह मुफ्त बिजली
योजना के तहत सभी तरह के शुल्क यथा
Energy Charge, Fixed Charge,
Electric Duty, FPPPA Charge आदि
की छूट 200 यूनिट तक मासिक रूप से
करने वाले घटेलू उपभोक्ताओं को प्रदान
की जाएगी।

⚡ यह योजना **जुलाई 2024** के बिलिंग माह
से लागू किया जाएगा।

⚡ इस योजना के तहत कुल **45.77 लाख**
उपभोक्ताओं में से लगभग **41.44 लाख**
घटेलू उपभोक्ता आचारित होंगे।

⚡ 200 यूनिट प्रति माह मुफ्त बिजली
योजना हेतु झारखण्ड सरकार प्रतिमाह
लगभग **₹350 करोड़ सब्सिडी** के रूप में
झारखण्ड बिजली वितरण निगम
लिमिटेड को उपलब्ध करायेगी।



हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

झारखंड पुलिस की वर्दी पर फिर अपने साथी के खून के छींटे

- रामगढ़ में एएसआइ की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने उठाये कई सवाल
- पलामू और तोपचांची थाना में हुई आत्महत्या की घटनाओं की याद हुई ताजा
- पिछले एक दशक में झारखंड में दो दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी दे चुके हैं जान

झारखण्ड पुलिस की वर्दी एक बार फिर दागदार हुई है। इस बार रामगढ़ में तैनात एक एएसआइ राहुल कुमार सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने झारखण्ड पुलिस को सवालों के घेरे में लाकर खड़ा कर दिया है। इससे पूर्व करीब ढाई साल पहले जनवरी, 2022 में पलामू जिले में तैनात एक इंस्पेक्टर लालजी यादव ने निलंबन के चार दिन बाद ही थाना परिसर में फांसी के फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली थी। उनसे पहले लगभग इसी तरह की परिस्थिति में 2016 के जून महीने में धनबाद के तोपचांची थाना के तत्कालीन प्रभारी उमेश कच्छप ने थाना

परिसर में ही फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली थी। वह भी कुछ दिन पहले अपने थाना क्षेत्र में हुई एक फ्रायरिंग मामले को लेकर तनाव में थे। इन तीनों घटनाओं में वक्त का फासला भले ही आठ साल का है, लेकिन परिस्थितियां लगभग एक जैसी हैं और सभी घटनाओं ने सवाल भी एक जैसे ही छोड़े हैं। राहुल कुमार सिंह के परिजनों

आजाद सिपा

की मानें, तो थाना प्रभारी
और दूसरे
उच्चाधिकारियों द्वारा की
जा रही मानसिक
प्रताङ्गना से वह बेहद
परेशान थे और इसी
लिए उनकी मौत हुई, जबकि लालजी यादव के परिजनों ने भी
इसी तरह के आरोप लगाये थे। इसी तरह उमेश कच्छप के
रिजनों ने भी अधिकारियों पर कई गंभीर आरोप लगाये थे। इन

तीनों घटनाओं में एक बात समान है कि किसी भी आरोप की जांच तक नहीं हुई। इस तरह अपने ही अधिकारियों की असमय मौत ने झारखंड पुलिस की वर्दी को एक बार फिर दागदार बना दिया है। हालांकि बीच में पुलिसकर्मियों और कनीय अधिकारियों द्वारा आत्महत्या की कई घटनाएं हुई हैं। रामगढ़ की घटना की पृष्ठभूमि में यह जानना जरूरी है कि आखिर कनीय पुलिस अधिकारी इतने तनावग्रस्त क्यों हैं और क्या है झारखंड पुलिस के अफसरों की कार्यशैली। इन सवालों का जवाब दे रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।



राकथा सह

रामगढ़ पुलिस के एएसआइ राहुल कुमार सिंह की 21 जुलाई को संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गयी। वह यातायात थाना रामगढ़ में पदस्थापित थे और रामगढ़-बरकाकाना मार्ग पर बंजारी मदिर चेक पोस्ट पर तैनात थे। शाम को उन्हें अचानक उल्टी हुई और वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गये। उन्हें सदर अस्पताल रामगढ़ ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। बाद में उनके शव का रिम्स में पोस्टमार्टम किया गया, जिसमें कहा गया है कि उनकी मौत जहर के कारण हुई। इसके बाद उनकी मौत के कारणों को लेकर कई सवाल उठाये जा रहे हैं। मृत एएसआइ के परिजनों का आरोप है कि इसके पीछे एसपी डॉ विमल कुमार और रामगढ़ थाना प्रभारी

धिकारियों पर इतना तनाव हावी से हो जाता है। क्या पुलिस कमें में कुछ अधिकारी वाकई नहीं हैं, जो अपनी चमड़ी बचाने लिए किसी भी हद तक गिर रहे हैं।

मानव मनोविज्ञान कहता है कि ई इंसान अपनी जान तभी लेता जब उसे यह विश्वास हो जाता कि उसके सामने के सारे कल्प खत्म हो गये हैं। ऐसा कित किसी एक कारण या घटना प्रभावित नहीं होता, बल्कि यह नके लिए तात्कालिक कारण हो सकता है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि प्रतिष्ठा या इज्जत पर आंच ती देख भी कई लोग इतने धिक तनावग्रस्त हो जाते हैं कि वे आत्महत्या कर लेते हैं या फिर उनकी जान चली जाती है। राहुल कुमार सिंह, लालजी यादव और उमेश कच्छप की मौत के पीछे यही प्रत्यक्ष कारण नजर आता है।

किसी भी मामले की जांच का नतीजा सामने नहीं आया

यह सवाल उठाना स्वाभाविक है कि आखिर राहुल कुमार सिंह, लालजी यादव और उमेश कच्छप इतने तनावग्रस्त क्यों थे। उनकी मौत की असली वजह क्या थी। विडंबना यह है कि इन सभी मामलों की जांच का नतीजा कभी सामने नहीं आया। न ही परिजनों के आरोपों के बारे में कभी कोई अधिकारिक बयान आया और न ही मामले की जांच रिपोर्ट पर कोई

अस्वरूप होने की प्रवृत्ति बढ़ी है। पुलिसकर्मियों पर मानसिक और परिवारिक तनाव इस कदर हावी है कि वे न तो अपनी अस्वस्थता पर ध्यान दे पाते हैं और न ही अपनी जान लेने से पीछे हट रहे हैं। इसकी मुख्य वजह प्रशासनिक दबाव, परिवारिक विवाद, मानसिक तनाव और प्रेम प्रसंग को माना जा सकता है, जबकि कई ऐसे मामले भी सामने आये हैं, जिनमें काम के दबाव और प्रेम में असफल होने के कारण भी पुलिसकर्मियों ने आत्महत्या की है।

इसका मतलब यह है कि पुलिस की कार्यशैली में ही कुछ कमी है, जिसके कारण पुलिसकर्मी तनाव में आ जाते हैं। राज्य पुलिस में चार साल पहले 2020 में एक सम्मान अधिकारी

भौत के बाद झारखंड पुलिस के निचले स्तर के अधिकारियों में यह प्रवृत्ति खत्म नहीं होगी। इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए सबसे पहले पुलिस को खुद को बदलना होगा। अपने ही वरीय अधिकारियों द्वारा अनावश्यक दबाव बनाने और राजनीतिक-प्रशासनिक दृष्टिकोण से कार्रवाई करने की प्रवृत्ति पर तकाल सख्ती से रोक लगानी होगी। अधिकारियों को समझना होगा कि ऊपर से लेकर नीचे तक के खाकी वर्दी वाले एक टीम के सदस्य हैं और किसी के रैंक से उसकी काबिलियत नहीं आंकी जा सकती। जब तक ऐसा नहीं होगा, रामगढ़ जैसी वारदात होती रहेगी और झारखंड पुलिस की वर्दी पर अपने ही साथियों के खून के छींट पड़ते रहेंगे।

आजाद सिपाही विशेष |

**नीट पेपर लीक मामले की जांच करने
फिर हजारीबाग पहुंची सीबीआइ टीम**

सांसद दीपक प्रकाश ने राज्यसभा में उठाया मामला पुरुष को बना दिया माँ, एक महिला का 12 प्रसव कराया

गलतफहमी पाल कर कितने दिन सीएम बंद रखेंगे आंखें: बाबूलाल

A man in a light green polo shirt stands behind a closed metal security gate, looking towards a group of people gathered around a white van in a narrow street.

सत्ता में बैठ गये, लेकिन
स्वार्थपटी बंधी है

**नीट का रिवाइज़ड
4.20 लाख छात्र**

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीई) ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट का रिवाइज़ड रिजल्ट जारी कर दिया है। परीक्षार्थी neet.ntaonline.in वर परीक्षार्थी एप्लीकेशन नंबर व डेट ॲफ बर्थ डालकर नया स्कोरकार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। प्रश्न नंबर 19 के दो उत्तरों की बजाए एक उत्तर संबंधी सुप्रीम कोर्ट के फैसले से करीब 4.20 लाख अभ्यर्थियों के 5-5 अंक घटाए गए हैं। इससे लाखों स्टूडेंट्स की रैंकिंग में बदलाव हुआ है। नीट के जरिए ही देश के तमाम मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस, बीडीएस, बीएएमस, बीएचएमस, बीयूएमस और अन्य विभिन्न अंडर ग्रेजुएट मेडिकल कोर्सेज में दाखिला होता है। इसके अलावा मिलिट्री नर्सिंग सर्विस (एमएनएस) के लिए भी अभ्यर्थी नीट युजी परीक्षा के मार्कस के जरिए आम्ब फोर्सेज मेडिकल सर्विस हॉस्पिटल के बीएससी नर्सिंग कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं।

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि गलतफहमी पाल कर कितने दिन आंचें बंद रखेंगे। उठिये, जागिये महाराज, देखिये आपके पीछे अब कोई नहीं बचा है। थोड़ी सी भी मर्यादा और इंसानियत बची हो, तो नामजद सहायक पुलिसकर्मियों का नाम एफआइआर से वापस लें। चाहे आप अपनी हड्डियों का बचा पूरा दम भी क्यों न लगा लें। अधिकारों के मिलने तक, मांगों के पूरा होने तक वह संघर्ष अनवरत चलता रहेगा, यह बिगुल हरदम बजता रहेगा।

बाबूलाल मरांडी गुरुवार को एक्स पर लिखा कि हेमंत सोरेन जी, आपने तो जमानत पर जेल से छूटने के बाद चंपाई सोरेन की घोषित 40 हजार नौकरियों में 25 प्रतिशत कटौती कर के 30 हजार नौकरियां देने की बात कही, लेकिन अब तो प्रतिदिन दनादन परीक्षाएं थस्गित की जा रही हैं। इस आपाधापी की बजह क्या है।

पांच जिलों के आंदे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड अलग राज्य के गठन के लिए आंदोलन करनेवाले आंदोलनकारियों को बकाया पेंशन का भुगतान किया जायेगा। यह बकाया पेंशन रांची, जामताडा, लातेहार, चतरा और गढ़वा जिले के अंतर्गत गांवों तक जाएगा। अभियांत्रियों

सत्ता में बैठ गये, लेकिन स्वार्थपटी बंधी है

बाबूलाल मराठी ने लिखा कि जहाँ पहल अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरना पड़ता है, फिर लाठी खानी पड़ती है और अंत में मुख्यमंत्री के आदेश पर झट्टी एफआइआर भी लिखी जाती है। वैसे तो मुख्यमंत्री के लिए एक आलोचना करना प्रेरणा आदिवासी समाज की आलोचना करने के बाबर है, परंतु जब बात खुद सत्ता में बैठ कर आदेश देने की आती है। लोगों पर एफआइआर करने की आती है, तो महादय को आदिवासी समाज नहीं दिखता है। उन्होंने लिखा कि नामित नामों को देखें, तो 18 में से लगभग 11 से 12 नाम आदिवासी भाई-बहनों के हैं और अभी 1500 अज्ञात लोगों में से न जाने और कितने आदिवासी भाई-बहनों के नाम सामने आने वाली हैं। आदिवासी समाज का आवरण ओढ़ कर झूट फरेब की रजनीति करके मरुख्यमंत्री सत्ता में तो बैठ गये हैं, लेकिन आज भी उनकी आंखों में स्वार्थरूपी पीड़ी बंधी है, वो आज भी आदिवासी समाज के लोगों को सिफर 3गणा वाट बैंक कमज़ोर है। उठें यह भ्रम है कि आदिवासी समाज पर वह चाहे कितने भी जुल्म करें, कितना भी अत्याशार करें, आदिवासी समाज उनके साथ खड़ा है।

लनकारियों को मिलेगी बकाया पेंशन

को मिलेगा। इसको लेकर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने गुरुवार को तीस लाख की राशि आवंटित की है। इसको लेकर गृह सचिव ने आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि संबंधित जिले के डीसी भुगतान से पूर्व सुनिश्चित करेंगे कि साल पासपास भी अपेक्षा से बिन्दा

रांची

शुक्रवार, वर्ष 09, अंक 276

आजाद सिपाही

हाइकोर्ट ने राज्य और केंद्र से पूछा

आदिवासियों का

धर्मात्मतान किन-किन

जिलों में हो रहा है

संची (आजाद सिपाही)। झारखण्ड

में आदिवासियों के धर्मात्मतान को

रोकने को लेकर दाखिल सोमा

उरांव की जनवित याचिका की

सुनवाई हाइकोर्ट में हुई। सामने

में कोर्ट ने राज्य और केंद्र सरकार

से पूछा है कि झारखण्ड के किन-

किन जिलों में ड्राइवल सं

धर्मात्मतान की जांच है और

किनमें को धर्मात्मतिकिया गया

है। साथ ही इन्हें रोकने के लिए

क्या-क्या करवाई जा रही है।

कोर्ट ने इन संबंध में कोर्ट और

राज्य सरकार को स्टेटस रिपोर्ट

दाखिल करने का निर्देश दिया है।

मामले की अगली सुनवाई 27

अगस्त निर्धारित की गयी है।

सुनवाई के दौरान प्राप्ती के

अधिकारों की ओर से कोर्ट को

बताया गया कि झारखण्ड में

धूलिल से ट्राइबल्टी लोगों का

दूसरे धर्म में धर्मात्मतान हो रहा है।

ट्राइबल्टी के गठन सरकार द्वारा

किया जाया चाहिए। उनकी ओर

से कोर्ट को बताया गया कि

सुप्रीम कोर्ट में भी धर्मात्मतान से

संबंधित मामले में जनवित

याचिका पर सुनवाई चल रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने भी इस विषय को

गभीरता से लेते हुए देश की

राज्य सरकारों और केंद्र सरकार

से जवाब मांगा है।

खनिजों की रॉयल्टी वसूलने के मामले में आया फैसला

राज्यों को रॉयल्टी लेने का हक : सुप्रीम कोर्ट

- नौ जिलों की संविधान पीठ ने मामले पर की सुनवाई
- 8:1 के बहुमत से फैसला सुनाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

नवी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने

गुरुवार को केंद्र सरकार को

झक्का देते हुए कहा है कि राज्यों

के पास संविधान के तहत खदानों

और खनिज बाली भूमि पर

रॉयल्टी वसूलने का विधायी

(कानूनी) अधिकार है।

नौ जिलों की संविधान पीठ ने

8:1 के बहुमत से फैसला सुनाया

कि खनिजों के बदले दी

जानिवाली रॉयल्टी कर नहीं है।

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़

ने अपनी ओर पीठ से के सात

न्यायाधीशों जारी मसाइ

न्यायमूर्ति उज्जल भुज्या,

न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और

न्यायमूर्ति नानाराज शमिल थे।

इनमें से जिसिस बीवी नानाराज

50 के तहत खनिज अधिकारों पर

कर लाने का अधिकार नहीं है।



संविधान पीठ में नौ जज थे

संविधान पीठ प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के साथ अन्य सदस्यों में न्यायमूर्ति अधिकारी एस ओका, न्यायमूर्ति जारी पारदीवाला, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा, न्यायमूर्ति उज्जल भुज्या, न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति नानाराज शमिल थे। इनमें से जिसिस बीवी नानाराज एवं अन्य 50 खनिज विकास से संबंधित है।

झारखण्ड समेत कई राज्यों को फैयदा

शीर्ष अदालत के इस फैसले से खनिजों के मामले में समृद्ध औदिशा, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, मध्यप्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों को बड़ा फैयदा होगा। अब इस मामले में बूथपार को प्रस्तुत करने वाली सुनवाई होगी। अब इस फैसले के बड़े फैयदे हो रहे हैं। जिसमें अदालत यह विवाद कर्जी कि इस फैसले को बीते दिनों से लागू किया जाये या फैसले के बाद से जारी करना चाहिए।

दरअसल, अलग-अलग सरकारों और खनन कंपनियों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में 8:1 याचिकाएं पहुंची थीं। कोर्ट को तक करना था कि खनिजों पर रॉयल्टी और खदानों पर टैक्स लगाने का अधिकार राज्य सरकार को होना चाहिए या नहीं। सुप्रीम कोर्ट में आठ दिन तक चर्चा चली तभी फैसला गलत है, जिसमें कहा गया था कि रॉयल्टी एक कर कर लाने का सुन्दरी-11 की प्रविष्टि 50 खनिज विकास से संबंधित है।

राष्ट्रपति भवन के दरबार और अशोक

हाँल का नाम बदला

नारी दिल्ली (आजाद सिपाही)। राष्ट्रपति द्वारपाल मुर्दू ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन के दो हाँल का नाम बदलने का एलान किया है। अब से दरबार हाँल को जगतीत्र मंडप और अशोक हाँल का अशोक मंडप के नाम से जाना जायेगा। राष्ट्रपति संचालन योग्य की तरफ से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया है कि राष्ट्रपति भवन के परिवेश में भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और प्रकृति झलक दिखायी दे, इसलिए दोनों हाँल के नाम बदले गये हैं।

SIKSHA 'O' ANUSANDHAN SAAT-2024

Empowering students
for a brighter future

APPROVAL & RECOGNITIONS

- Approved by UGC & AICTE
- Re-accredited by NAAC with A++ Grade
- Granted with Category-1 Graded Autonomy by UGC
- NBA Accredited Programmes

NIRF INDIA RANKINGS 2023

- 15th Best in University Category
- 27th Best in Engineering Category

INTERNATIONAL RANKINGS 2024

- Ranked in QS World Rankings 2024
- Ranked in Times World Rankings 2024

A monthly stipend will be provided to M.Tech students
for a maximum period of two years

To apply for admission through SAAT,
Please visit: www.soa.ac.in



हेमंत सोरेन

मुख्यमंत्री, झारखण्ड

समस्त झारखण्डवासियों को
75वां वन महोत्सव, 2024
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

तृक्ष प्रकृति के उपहार की तरह हैं, जो पृथक पर जीवन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे पर्यावरण को संतुलित और स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। पूरे विश्व में तापमान को नियंत्रित करने और बायिता के लिए मौसम की स्थिति बनाने में तृक्षों की बड़ी भूमिका है। तृक्ष कार्बन डाइऑक्साइड लेकर और ऑक्सीजन छोड़ कर हवा को भी साफ करते हैं, जो सभी जीव जंतुओं के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त, तृक्ष हमें लकड़ी, भीजन, ईंधन, कागज और बहुत कुछ प्रदान करते हैं, जिससे हम दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाते हैं।

हमारी सरकार राज्य के जल, जंगल और जमीन को समृद्ध करने के लिए कृत संकल्पित है और अपने पूर्तजों के धरोहर को संरक्षित कर उसमें और बढ़ोत्तरी करने के लिए हमेशा से प्रयासरत रही है।

आप सभी इस बात से अवगत हैं कि पूरे विश्व में ग्लोबल वार्मिंग और जलवाया परिवर्तन का संकट नंदा रहा है। इस वर्ष मानसून में बायिता को देख लेने में किटना चुनाव रहा है। यह मानव समाज के लिए ठीक नहीं है और हम सबको मिलाकर इसे सही करने का प्रयास करना होगा। इस कार्ड डाइऑक्साइड लेकर और ऑक्सीजन छोड़ कर हवा को भी साफ करते हैं, जो सभी जीव जंतुओं के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त, तृक्ष हमें लकड़ी, भीजन, ईंधन, कागज और बहुत कुछ प्रदान करते हैं, जिससे हम दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाते हैं।

अब, हमारे लिए अपने कार्यों की जिम्मेदारी लेना महत्वपूर्ण है। हमें पृथकी की उसी तरह

चतरा राइफल थ्रॉटिंग वलब के खिलाड़ियों ने जीते चार गोल्ड और एक सिल्वर

रांची (आजाद सिपाही)। गाड़ियाना चौक के पास चतरा राइफल वलब के खिलाड़ियों में रांची बवाकरी और खुदी के दीर्घी के लक्ष्मदर चिंगारी ने भाग लिया। इसमें चतरा राइफल वलब के खिलाड़ियों ने एपर राइफल इंटर्न और मैथिंग किंगर टीम में गोल्ड और सिल्वर मेडल और मानाया कुमारी डबल गोल्ड और सिल्वर मेडल के साथ मात्र पिता का नाम शेषन किया। वहीं कोच नीतीश ने बूप्याणीयों को प्रसादहित किया। जोनल चैपियनशिप की टैयरी की बारे में जानकारी भी दी।

बीएयू में रिटायर की संविदा पर नियुक्त होगी

रांची (आजाद सिपाही)। बिरसा कूषि विश्वविद्यालय में संविदा के आधार पर नियुक्ति के लिए अवकाशपान लोगों से आवेदन आमतिर किये जाए हैं। राज्य सरकार, केंद्र सरकार, लोक उपक्रमों और कृषि विश्वविद्यालय की सेवा से रिटायर 62 वाँ वर्ष की उम्र के लिए गोल्ड और सिल्वर मेडल, अदालत ने गुरुवार को आदेश दिया कि झारखंड हाइकोर्ट परिसर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

अमित शाह पर टिप्पणी मामले में राहुल

गांधी के खिलाफ वारंट जारी करने की मांग

रांची (आजाद सिपाही)। अमित शाह के खिलाफ वयान देने से जड़े मामले में कोर्ट के पूर्व अध्यक्ष और सर्वोच्च लोकी से सांसद राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज केस में विशेष कार्ट में यूनिवर्सिटी वारंट की राशी की एपी एमएलए परी विशेष कार्ट में राहुल गांधी के खिलाफ समाजिक नीति का आयोजन करने के लिए व्यूनाम योग्यता की मानी गई। इसमें यूनिवर्सिटी के स्पष्ट अनुभव या राज्य केंद्र सरकार की अधीनस्थ लेखा सेवा परीका पास होना चाहिए। साथ ही सरकारी या अद्वृत सरकारी संस्थान में व्यूनाम 10 वर्ष कार्य करने के अनुभव होना चाहिए।

ट्राइ के आउटटोरीच कार्यक्रम में दी गयी उपभोक्ता हितों की जानकारी

रांची (आजाद सिपाही)। ट्राइ का महत्वपूर्ण उद्देश्य उपभोक्ता हितों की रक्षा करना और उपभोक्ता जागरूकता पैदा करना है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए ट्राइ उपभोक्ता संगठनों के क्षमता पर सेमिनार का आयोजित करता है। इसी कीटी में ट्राइ क्लीनीय कार्यक्रम को लोकलकता ने गुरुवार को लोकलकता ने राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा कार्यकर्त्ता नीती ज्ञानी द्वारा कार्यकर्त्ता नीती ज्ञानी के लिए व्यूनाम योग्यता की एपी एमएलए की उपरान्त आयोजन कराया गया। जिसमें यह अपार लगाव योग्य है कि मार्च 2018 को उन्नेवें कोर्टों का कार्ट से यह अग्रह किया गया। राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा की पूर्व राज्यीय अध्यक्ष अपील की छवि धमिल की है। राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा के पूर्व राज्यीय अध्यक्ष अपील की बाबत राज्यालय के खिलाफ टिप्पणी करने के लिए रांची में रांची और चांदीबासा में किया गया था।

कोलाकारा की तर्ज पर होनी रांची की ट्रैफिक ट्यूक्स्ट्रथा

रांची (आजाद सिपाही)। राजधानी में ट्रैफिक ट्यूक्स्ट्रथा कोलाकारा की तर्ज पर विस्तृति के लिए नियंत्रित करने के लिए उच्च शब्दों से उपभोक्ता संगठनों के क्षमता पर सेमिनार का आयोजित करता है। इसी कीटी में ट्राइ क्लीनीय कार्यक्रम को लोकलकता ने गुरुवार को लोकलकता ने राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा कार्यकर्त्ता नीती ज्ञानी द्वारा कार्यकर्त्ता नीती ज्ञानी के लिए व्यूनाम योग्यता की एपी एमएलए की उपरान्त आयोजन कराया गया। जिसमें यह अपार लगाव योग्य है कि प्रेयस की सराहना की। उन्नेवें झाजरकूका शेत्र में उन्नी मोबाइल कॉरिडोर के क्षेत्र के महत्व पर प्रकाश डाला। देव शंकर ने आम उपभोक्ताओं के लाभ के लिए इस तरह के उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रमों के महत्व पर बल दिया। उन्नेवें साइबर संबंधी जागरूकता की आवश्यकता एवं सार्वतंत्र दर्शन की अपील की गयी।

61 प्रखंडों में नये बीड़ीओं की तैनाती, सोमनाथ बनर्जी रात, रेण कुमारी मांडर बीड़ीओं बनानी

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड सरकार ने 61 प्रखंड विकास पदाधिकारी का स्थानान्तरण पदव्यापन किया। इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। चंद्र देव प्रसाद को चंद्रवारा का जीतीओं बनाया गया है नुरु कुमारी को कटकमसाडी, अमित कुमार को गुमता सदर, कुंदन भगत को मोहनपुर, जंती कुमार को दुलानी कमलसंग कुमार की गोल्ड और देव शंकर, नियोजन विकास मन्त्रित अतिथि थे। नियोजक डी एके साहा ने हजारीबाग के स्थानीय लोगों के लाभ के लिए इस तरह के जागरूकता कार्यक्रमों की व्यवस्था करने में ट्राइ द्वारा किया गये प्रयासों की सराहना की। उन्नेवें झाजरकूका शेत्र में उन्नी मोबाइल कॉरिडोर के क्षेत्र के महत्व पर प्रकाश डाला। देव शंकर ने आम उपभोक्ताओं के लाभ के लिए इस तरह के उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रमों के महत्व पर बल दिया। उन्नेवें साइबर संबंधी सालाहकार आयोजन दर्शन संबंधी अन्य शब्दों एवं ध्यान देने की जानकारी दी गई है।

स्पीकर के डेमोग्राफी में बदलाव पर इनकार के बयान पर भाजपा की आपति विचाराधीन मामले में टिप्पणी कर कर रहे हैं स्पीकर की अवमानना करने की तर्ज पर भाजपा को जारी रखना चाहिए। अन्यत्र बीड़ीओं की तैनाती, सोमनाथ बनर्जी रात, रेण कुमारी मांडर बीड़ीओं बनानी को नाला, अनिल कुमार को तीसीना, प्रभात कुमार को लोहडाना, चंद्रवारा को चंद्रवारा, विकेक कुमार को इगार, संजय रेडल को इगार, विकेक कुमार को लोहडाना, अमित कुमार को गुमता, सुनील वर्मा को हाटगढ़, रेण कुमारी को मांडर, शार्लन शर्मा को राज्य ग्रामीण विकास संस्थान, दयानंद प्रसाद जायसवाल को महुआडांट संस्थान को विष्णुगढ़, शक्ति कुंज को गयीही, संदीप कुमार को मनिका, सोमनाथ बनर्जी को रात, जान कीमी एवं कोरकों को करसैसी-झांमट को जामा, विजय प्रकाश मर्डी को नाला, अनिल कुमार को तीसीना, प्रभात कुमार को लोहडाना, चंद्रवारा को चंद्रवारा, विकेक कुमार को इगार, संजय रेडल को हाटगढ़, अमित कुमार को गुमता, सुनील वर्मा को हाटगढ़, रेण कुमारी को मांडर, शार्लन शर्मा को राज्य ग्रामीण विकास संस्थान, दयानंद प्रसाद जायसवाल को महुआडांट संस्थान को विष्णुगढ़, शक्ति कुंज को गयीही, संदीप कुमार को मनिका, सोमनाथ बनर्जी को रात, जान कीमी एवं कोरकों को करसैसी-झांमट को जामा, विजय प्रकाश मर्डी को नाला, अनिल कुमार को तीसीना, प्रभात कुमार को लोहडाना, चंद्रवारा को चंद्रवारा, विकेक कुमार को इगार, संजय रेडल को हाटगढ़, अमित कुमार को गुमता, सुनील वर्मा को हाटगढ़, रेण कुमारी को मांडर, शार्लन शर्मा को राज्य ग्रामीण विकास संस्थान, दयानंद प्रसाद जायसवाल को महुआडांट संस्थान को विष्णुगढ़, शक्ति कुंज को गयीही, संदीप कुमार को मनिका, सोमनाथ बनर्जी को रात, जान कीमी एवं कोरकों को करसैसी-झांमट को जामा, विजय प्रकाश मर्डी को नाला, अनिल कुमार को तीसीना, प्रभात कुमार को लोहडाना, चंद्रवारा को चंद्रवारा, विकेक कुमार को इगार, संजय रेडल को हाटगढ़, अमित कुमार को गुमता, सुनील वर्मा को हाटगढ़, रेण कुमारी को मांडर, शार्लन शर्मा को राज्य ग्रामीण विकास संस्थान, दयानंद प्रसाद जायसवाल को महुआडांट संस्थान को विष्णुगढ़, शक्ति कुंज को गयीही, संदीप कुमार को मनिका, सोमनाथ बनर्जी को रात, जान कीमी एवं कोरकों को करसैसी-झांमट को जामा, विजय प्रकाश मर्डी को नाला, अनिल कुमार को तीसीना, प्रभात कुमार को लोहडाना, चंद्रवारा को चंद्रवारा, विकेक कुमार को इगार, संजय रेडल को हाटगढ़, अमित कुमार को गुमता, सुनील वर्मा को हाटगढ़, रेण कुमारी को मांडर, शार्लन शर्मा को राज्य ग्रामीण विकास संस्थान, दयानंद प्रसाद जायसवाल को महुआडांट संस्थान को विष्णुगढ़, शक्ति कुंज को गयीही, संदीप कुमार को मनिका, सोमनाथ बनर्जी को रात, जान कीमी एवं कोरकों को करसैसी-झांमट को जामा, विजय प्रकाश मर्डी को नाला, अनिल कुमार को तीसीना, प्रभात कुमार को लोहडाना, चंद्रवारा को चंद्रवारा, विकेक कुमार को इगार, संजय रेडल को हाटगढ़, अमित कुमार को गुमता, सुनील वर्मा को हाटगढ़, रेण कुमारी को मांडर, शार्लन शर्मा को राज्य ग्रामीण विकास संस्थान, दयानंद प्रसाद जायसवाल को महुआडांट संस्थान को विष्णुगढ़, शक्ति कुंज को गयीही, संदीप कुमार को मनिका, सोमनाथ बनर्जी को रात, जान कीमी एवं कोरकों को करसैसी-झांमट को जामा, विजय प्रकाश मर्डी को नाला, अनिल कुमार को तीसीना, प्रभात कुमार को लोहडाना, चंद्रवारा को चंद्रवारा, विकेक कुमार को इगार, संजय रेडल को हाटगढ़, अमित कुमार को गुमता, सुनील वर्मा को हाटगढ़, रेण कुमारी को मांडर, शार्लन शर्मा को राज्य ग्रामीण विकास संस्थान, दयानंद प्रसाद जायसवाल को महुआडांट संस्थान को विष्णुगढ़, शक्ति कुंज को गयीही, संदीप कुमार को मनिका, सोमनाथ बनर्जी को रात, जान कीमी एवं कोरकों को करसैसी-झांमट को जामा, विजय प्रकाश मर्डी को नाला, अनिल कुमार को तीसीना, प्रभात कुमार को लोहडाना, चंद्रवारा को चंद्रवारा, विकेक कुमार को इगार, संजय रेडल को हाटगढ़, अमित कुमार को गुमता, सुनील वर्मा को हाटगढ़, रेण कुमारी को मांडर, शार्लन शर्मा को राज्य ग्रामीण विकास संस्थान, दयानंद प्रसाद जायसवाल को महुआडांट संस्थान को विष्णुगढ़, शक्ति कुंज को गयीही, संदीप कुमार को मनिका, सोमनाथ बनर्जी को रात, जान कीमी एवं कोरकों को करसैसी-झांमट को जामा, विजय प्रकाश मर्डी को नाला, अनिल कुमार को तीसीना, प्रभात कुमार को लोहडाना, चंद्रवारा को चंद्रवारा, विकेक कुमार को इगार, संजय रेडल को हाटगढ़, अमित कुमार को गुमता, सुनील वर्मा को हाटगढ़, रेण कुमारी को मांडर, शार्लन

धनबाद/बोकारो/बेटमो

उठायी मांग : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिले गोमिया विधायक बेरमो को जिला बनाने पर शीघ्र निर्णय लें सीएम: लंबोदर महतो

आजाद सिपाही संचादाता



मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर बेरमो (तेनुघाट मुख्यालय) अनुमंडल को जिला बनाने की मांग की है।

उठायी मुख्यमंत्री को इस बात से अवगत कराया है कि बेरमो (तेनुघाट मुख्यालय) झारखंड राज्य का सबसे समुद्र खनिज संपदाओं से परिपूर्ण व अधिकाजित बिहार में 1972 ईस्टी में बनने वाला सबसे पुराना अनुमंडल है। बेरमो को जिला बनाने की मांग लंबे समय से की जा रही है। किंतु कार्यपाली से अब तक इसे जिला का दर्जा नहीं मिल पाया है। उठायी मुख्यमंत्री को इस बात से भी अवगत कराया कि बेरमो अनुमंडल का सुनन आज से 50 वर्ष पूर्व 6 दिसंबर 1972 को अधिकाजित बिहार के समय किया गया था। जिसकी आवादी 2011 की जनगणना के अनुसार 11,07,672 है, जो मोजूदा समय में कीरब 15 लाख है। बेरमो अनुमंडल में 14 थाना, चारों और पांच सात प्रखंड क्रमशः पेट्रोवार, कसमार, जरीडीह, बेरमो, गोमिया, नावाडीह व चंद्रपुरा हैं। यह अनुमंडल सबसे

बनकर तैयार है। जबकि कोनार डैम में पन बिजली उत्पादन करने की प्रक्रिया अभी लागत है। कह कहते हैं कि पूरे झारखंड राज्य को विद्युत के मामले में अग्रणी यह अनुमंडल है। यहाँ 5 डिग्री कार्लिंज, 09 इंटर कार्लिंज, एक जावाहर नवोदय विद्यालय, डीएवी विद्यालय के साथ स्कूल, 20 उच्च विद्यालय, सिचाई विभाग का अंचल व प्रमंडल कावालय, वाणिज्य कर विभाग का कावालय भी कार्यरत है, जो जिल बनाने में काफी कारगर क्षमता हो सकते हैं।

कॉल वाशरी निर्माणी विधायक डॉ लंबोदर के दर्जोंने विद्यालयों से भरा पड़ा है। यहाँ चार विद्युत उत्पादन केंद्र (थमल पावर स्टेशन) क्रमशः टीपीपीएस, सीटीपीएस, बीटीपीएस व कैटिव पावर प्लांट है। सीसीएल के तीन केंद्र क्रमशः कथारा, करगाली व डोरी हैं, जहाँ दर्जोंने परियोजनाएं विद्यालयों से भरा पड़ा है। सीसीएल के दर्जोंने विद्यालयों से प्रतिवर्ष कारोड़ों टन कोलायता का उत्पादन होता है। जिसका वाला भी साथी राज्य सरकार व केंद्र सरकार को मिलता है। इसके अतिरिक्त सीसीएल व बीसीसीएल की चार कोल वाशरी तेनुघाट डैम से पन बिजली तैयार करने की परियोजना लगभग

